# HRA AN UNIVA The Gazette of India

# असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—ave 3—39-ave (1)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

# प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 270]

नई विल्ली, मंगलबार, जुलाई 3, 1090/आषाइ 12, 1912 NEW DELHI, TUESDAY, JULY 3, 1990/ASADHA 12, 1912

इ.स. भाग में भिन्म पूष्ट संस्था वी जाती है जिससे कि यह अक्षा संकारत के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be alled as a separate compilation

#### विस मंत्राख्य

(राजस्य विभाग)

**प्रधिमु**ननाएं

नई दिल्ली, 3 जुलाई, 1990

सं. 127/90-फेन्द्रीय उत्पाद-गुत्क

सा. का.नि. 616 (अ).—केन्द्रोय सरकार, प्रतिरिक्त उक्ताय-मुल्क (विमीप महत्य का माल) प्रशिवियम, 1957 (1957 को 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पठित केन्द्रोय उत्पाद-मुल्क और नमक प्रधिनियम, 1941 (1944 का 1) की धारा 5क की उपधारा (1) द्वाराप्रवक्ष प्राक्षियमें का प्रयोग करते हुए, प्रपना यह समाधान हो जाने पर कि मोकहिन में ऐसा करना आक्ष्यक है, यह निदेश देशी है कि हसमें उपावद्य सारणी के स्तंभ (2) में विनिधिष्ट भारत सरकार के बिल मंत्रालय (राजस्व विमाग) की प्रत्येक प्रधिमूचना, उन्त सारणी के स्तंभ (3) में की सरस्थानी प्रथिष्ट में विनिधिष्ट रीति में और संगोधित नी जाएगी।

मारणी					
क्रम गं.	प्रधिसूचना में. ग्रौर नारीख	संशोधन			
(1)	(2)	(3)			

- 1. 272/79---केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क, उक्त अधिमूचना के प्रारंभिक पैरा तरीख 18 प्रमृत्वर, 1979 में,---
  - (क) "कंत्रल निर्मात के लिए प्राण-यित" एड्वों के स्थान पर "निर्मात के लिए या केवल निर्मात के लिए प्राणयित माल के विनिर्माण के लिए किसी प्रत्य मुक्त ज्यापार जोन, निर्मात प्रसंस्करण जोन में स्थित एकक, या एस प्रतिणत निर्मातोन्सुख उपकम को प्रदाय के लिए ग्राण्यित" सर् दें अ

(1)

(2)

(3)

- (1)
- (2)

(3)

(ख) अन्त में, निम्नलिखित परन्तुक जोड़ा जाएगा, श्रर्थान् :----"परन्तु जहां माल का प्रदाय किसी ग्रन्य म्कत व्यापार जोन, निर्यात प्रमुंस्करण जोन सं स्थित एकक, या शत प्रतिशत नियतिसम्बद्ध उपक्रम को किया जाता है वहां ऐसे माल का मारेषण बंध पत्र के ऋधीन ऐसी रीति में और ऐसी मती के प्रभ्यक्षीन रहते हुए किया जाएगा जो ऐसा केम्ब्रीय उत्पाद-श्लक कलक्टर विनिर्दिष्ट करे जिसे निकासी के कारखाने पर मधिकारिता प्राप्त है।"

2. 237/85--केन्द्रीय उत्पाद-गुल्क उक्त अधिसूचना के प्रारंभिक पैरा में,---(क) "केवल नियति के लिए श्रीण-तारीख 15 नथम्बर, 1985

यित्" शक्दों के स्थान पर "निर्यात के लिए या केवल निर्यात के लिए भाषायित माज के विनिर्माण के लिए किसी ध्रम्य मुक्त स्यापार जोन, नियति प्रसंस्करण जोन में स्थित एकक, या गत-प्रतिशत निर्यातीसम्ख उपक्रम को प्रदाय के लिए भ्रागयिन" गब्द रखे जाएंगे;

- (ख) प्रन्स में, निम्नलिखन परम्पुक जोड़ा काएगा, अर्थात् :---"परन्तु जहां माल का प्रदाय किसी धन्य भूकत व्यापार जोन, निर्यात प्रयंसकरण जोन में स्थित एकक, या शत-प्रतिशत निर्मातीन्मुख उपक्रम की किया जाता है वहां ऐसे माल का पारेषण बंधपता के श्रधीन ऐसी रोति में घीर ऐसी गर्ती के ग्रध्यधीन रहते हुए फिया जाएमा जो ऐसा केन्द्रीय उत्पाद-श्रुष्फ कलक्टर थिनि-विष्ट करे जिसे निकासी के कारकाने पर अधिकारिता प्राप्त है।"
- 3. 238/85-केन्द्रीय उत्पाद-मुल्क, उपन प्रधिसूचना के प्रारंभिक पैरा में,--तारीखा 15 नवस्थर, 1985
  - (क) 'केबल निर्धात के लिए ष्ट्राणिक्य पार्क्षा के स्थान पर "नियति के लिए या केवल नियों। के लिए यामधित मान के विनिर्माण के लिए किसी अन्य मनतः व्यापार जोतः, निवृत्ति प्रश्लेमः रण बीत में

स्थित एकक, या शत प्रतिशत निर्यातीतम्खा उपक्रम को प्रदाय के लिए स्नामित" मन्द रखें जाएंगे :

- (ख) प्रन्त में, निम्नलिखित परस्तुक जोक्त जाएमा, प्रयति :---''परन्तु जहां माल का प्रदाय किसी धन्म मुक्त व्यापार जीन, नियति प्रसंस्करण जोन, में स्थित एकक, या गत प्रतिगत निर्मातीस्मुख उपक्रम को किया जाता है वहां ऐसे माल का पारेषण बंधपत्न के श्रश्रीत ऐसी रीति में और ऐसी शती के प्रध्यधीन रहते हुए किया जाएगा जो ऐसा केम्द्रीय उत्पाद-गुल्क कलक्टर विनि-विष्ट करे जिसे निकासी के कारखान पर मधिकारिता प्राप्त है।"
- 5/86--केन्द्रीय उत्पाद-शुस्क, सारीख 20 जनवरी, 1986

क्ष्मत प्रशिस्थना के प्रारंभिक पैरा में,---

- (क) "केवल निर्वात के लिए न्नाशयित<sup>"</sup> शब्दों के स्थान पर "निर्यात के लिए या केवल निर्यात के लिए आशयित माल के विनिर्माण के लिए किसी प्राच्य गुक्त स्थापार जीत, निर्यात प्रसंस्करण जीन में स्थित एकक, या शत प्रतिशत निर्यातोनमुख उपक्रम प्रदाय के लिए प्राणयित" शब्द रखे जाएंगे ;
- (स्त) घटा में, निस्तनिखित घटन्तुक जोड़ा जाएगा, प्रथित्:--"परन्तु जहां माल का प्रवास किसी अन्य मुक्त व्यापार जोन, निर्यास प्रसंस्करण जीन, में रिधन एकक, या शत प्रतिरात निर्मातीसम्ब उपक्रम को किया जाना है बहां ऐने माल का पारेषण बंधपक्ष के मधीन ऐसी रोडि मंगीर ऐसी मनी के प्रध्यक्षीन रहते हुए किया जाएमा जो ऐसा कैरदीय 'अस्पाद-'गुम्फ सम्बद्धर चिनि-दिण्ट करे जिये निकासी के कारकाने पर अधिकारिता प्राप्त है 🙄

(1) (2) (3) (1) (2) (3)

5. 398/86 शिक्षीय जलाद- उक्त श्रिधिमूचना के प्रारंभिक पैरा भूक्क तीरीख 26 भेपस्त, 1986 में,—-

- (क) "केयल निर्यात के लिए साणयित" मध्यों के स्थान पर "केवल निर्यात के लिए सा केवल निर्यात के लिए सामयित माल के 'विनिर्माण के लिए किसी प्रत्य मुक्त व्यापार जोन, निर्यात प्रसंस्करण जोन में स्थित एकक या गत प्रति-शन निर्यातोत्म्य उपक्षम के प्रदाय के लिए साणयित" गब्द रखें जाएंगे।
- (ख) मन्त मं, निम्नलिखित परन्तक जोड़ा आएगा ग्रर्थात् :----<sup>°</sup>परम्यू जहाँ माल का प्रदाय किसी भन्य मुक्त व्यापार जोन, निर्यात प्रसंस्करण जोन में रिक्त एकक, या शत प्रतिगत नियत्तिन्मुख -उपन्म किया जाता है। वहां ऐसे माल का पारेषण बाधपन के मधीन ऐसी शीत में भौर ऍसी महीं के **ध**ष्यधीन रहते हुए किया जाएगा जो उत्पाव-शृत्क ऐसा केन्द्रोय कसक्टर विनिर्दिष्ट करें जिसे मिकासी के कारखाने अधिकारिता प्राप्त है।"

[फा. ने 267/110/88-सी एनस<u>,</u> 8]

MINISTRY OF FINANCE (Department of Revenue) New Delhi, the 3rd July, 1990

#### NOTIFICATIONS

No. 127/90 CENTRAL EXCISES

G.S.R. 616.(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) read with sub-section (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public in terest so to do, here by directs that each of the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) specified in column (2) of the Table hereto annexed shall be further amended in the manner specified in the correspoding entry under column (3) of the said Table

#### TABLE

S1. Notification No. and Date Amendment No.

(1) (2) (4)

1. 273/79; Contral Excises, dated in the said notification, in the 18th October, 1979 (1): opening para graph

- (a) for the words "intended solely for export", the words "intended for export or for supply to a unit situated in another Free Trade Zone, Export Processing Zone or hundred per cent export oriented undertaking for the manufacture of goods, solely meant for export" shall
- (b) the following proviso shall be added at the end namely:

be substituted;

"Provided that where the goods are supplied to a unit located in another Free Trade Zone, Export Processing Zone, or hundred per cent export oriented undertaking, the transmission of goods shall be under bond in such manner and subject to such conditions as may be specified by the Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory of removal.".

2. 237/85-Central Excises, dated In the said notification, in the 15th November, 1985. the opening paragraph

- the opening paragraph

  (a) for the words "intended solely for export", the words "intended for export or for supply to a unit situated in another Free Trade Zone, Export Processing Zone or hundred per cent export oriented undertaking for the manufacture of goods solely meant for export" shall be substituted:
- (b) the following proviso shall be added at the end, namely: —
- "Provided that where the goods are supplied to another unit located in a Free Trade Zone, Export Processing Zone, or hundred per cent export oriented undertaking, the transmission of goods shall be under bond in such manner and subject to such condition. As may be specified by the Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory of removal.".

(1) (2) (3)

- 3. 238/85- Central Excises, dated In the said in thication, in the 15th Novmber, 1985 the opening paragraph,
  - (a) for the words "intended solely for export", the words "intended for export or for supply to a unit situated in another Free Trade Zone, Export Pracessing Zone or hundred per cent export oriented undertaking for the manufacture of goods, solely meant for export" shall be substituted;
  - (b) the following proviso shall be added at the end namely:

"Provided that where the goods are supplied to a unit located in another Free Trade Zone, Export Processing Zone, or hundred per cent export oriented undertaking, the transmission of goods shall be under bond in such manner and subject to such conditions as may be specified by the Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory of removal".

- 4. 5/86-Central Excises, dated In the said notification, in the 20th January, 1986 the opening paragraph.
  - (a) for the words "intended solely for export", the words "intended for export or for supply to a unit situated in another Free Trde Zone, Export Processing Zone or hundred per cent export oriented undertaking for the manufacture of good solely meat for export" shall be substituted;
  - (b) the following proviso shall be added at the end namely:

"Provided that where the goods are supplied to a unit located in another Free Trade Zone, Export Processing Zone, or hundred per cent export oriented undertaking, the transmission of goods shall be under bond in such ) (2) (3)

manner and subject to such conditions as may be specified by the Conllector of Central Excise having jurisde tion, over the factory of removal.".

- 5. 398/86- Central Excises, dated In the said notification, in the 26th August, 1986 the opening paragraph.
  - (a) for the words "solely meant for expor.", the words "solely mean. for export or for supply to a unit situated in another Free Trade Zone, Export Processing Zone or hundred per cent export oriented undertacting for manufacture of goods, solely meant for export" shall be substituted;
    - (b) the following proviso shall be added at the pend namely:—

"Provided that where the goods are supplied to a unit located in another Free Trade Zone, Export Processing Zone, or hundred per cent export oriented undertaking, the transmission of goods shall be under bond in such manner and subject to 3 such conditions as may be specified by the Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory of removal,".

[F.No. 267/110/88-CX.8]

#### मं. 128/90--फेन्द्रीय उत्पाद-शुल्फ

सा. का. नि. 617(प्र). केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय उत्पाद-शुक्क धीर नमक प्रधिनियम, 1944 (1944 का 1) भी जारा उक की सपधारा (1) हारा प्रवक्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, प्रेमना यह समाजान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना प्रावण्यक है, भारत सरकार के विक्त मेन्नालय (राजस्व विभाग) की प्रधित्वना सं. 196/75 - केन्द्रीय उत्पाद-शृह्क, नारीख 21 धगस्म, 1975 में निम्निनिखिन और संगोधन करती है, प्रयाद :--

उक्त अधिस्मना के प्रारंभिक पैरा में,--

(क) "क्षेत्रल निर्यात के लिए आशयित" राज्यों के स्थाल पर "लियांत के लिए या केशल निर्यात के लिए आशयित गाल के विनिर्माण के लिए किसी अन्य मुक्त ध्यापार थोंग, निर्यात असंस्करण औप में स्थित एकक या णत प्रतिगत निर्यातिष्मृत्व अपकार की प्रविध के लिए आणयित" शब्द रखी जाएगी; (ख) बन्त में, निम्धालिखित परन्युक ओड़ा जाएगा, बर्धान् :---

"परस्तु जहाँ माल का प्रवाय कियो प्रथ्य गुक्रम व्यापार जीन, निर्मात प्रसंस्करण जीन, में स्थित एकक, या माल प्रतिमान निर्मातोत्सुख उपत्रम की किया जाता है वहां ऐसे माल का पारेगण तंत्रपद के अधीन ऐसं। रीति से धाँर ऐसा मतौं के प्रव्यक्षीन रखते हुए किया नाएगा जो ऐसा केन्द्रीय उत्पाद-मूल्क कलक्टर विनिद्धित कर जिसे निकासी के कारखाने पर प्रधिकारिता अपत है।"

[फा. अं. 267/110/88-सी एक्स-8]

### NO. 128|90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 617(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 186/75-Central Excises dated the 21st August 1975, namely:—

In the said notification, in the opening paragraph,—

- (a) for the words "intended solely for export" the words "intended for export or for supply to a unit situated in another Free Trade Zone, Export Processing Zone or hundred per cent export oriented undertaking for the manufacture of goods, solely meant for export" shall be substituted;
- (b) the following proviso shall be added at the end, namely:—
- "Provided that where the goods are supplied to a unit located in another Free Trade Zone Export Processing Zone, or hundred per cent export oriented undertaking, the transmission of goods shall be under bond in such manner and subject to such conditions as may be specified by the Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory of removal."

[F. No. 267'110[88-CX.8]

#### सं 129/90---केल्डीय उत्पाद-मुल्क

सा. का. ति. 618(म) — केंन्द्रीय भरकार, झितिरक्त उत्पाद-मुल्क (विशेष महत्व का माल) प्रधिनियम, 1957 (1957 का 58) की धारा 3 की उपधारा (3) के साथ पितन केंन्द्रीय उत्पाद-मुल्क ग्रीर नमक भ्रिधिनियम, 1944 (1944 का 1) की घारा 5 के की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त शिवतों का प्रयोग करते दूए, यह समाधान हो जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना ग्रावण्यक है, भारत सरकार के वित्त मंज्ञालय (राजस्व विभाग) की ग्रिधिसूचना सं. 123/81—केन्द्रीय उत्पाद-सुल्क, तारीख 2 जुन, 1981 में निम्नलिखित भीर मंशोधन करती है, भ्रयान :—

उक्त प्रधिसूचना के प्रारम्भिक परा में, गर्त (खा) में :---

(क) "केंबल निर्यात के लिए" गब्दों के स्थान पर, "केंबल निर्यात के लिए या भन्य मुक्त व्यापार जोन में भन्नस्थित किसी एकक को प्रसाय के लिए, निर्मात प्रवंशकरण कोड या प्रान्धितिश्व निर्मातीन्मुखी उपक्षम को केमन विद्यात के लिए आजियस पास्र के विभिन्नीय के लिए?" कहा रखें आएंगे.

(ख) निस्नमिक्ति परन्तुक अंत में जोड़ा जाएंगा, अधीन् :----

"परस्तु जहां सान का प्रवास प्रत्य मुक्त व्यापार जीत से अवस्थित किसी एकक, निर्मात प्रसंस्करण जीत सा भन-प्रतिपात निर्मातीस्मुखी उपज्ञम की किया जाता है, वहां माल का पार्रेषण किसी बंघपक के अधीन ऐसी रीति में और ऐसी शती के अधीन रहते हुए जो ऐसे केन्द्रीय उत्पाद सुल्क कलक्टर द्वारा विनिधिष्ट की जाए, जिसकी हुटाए जाने के कारखाने पर श्रीविकारिता है।"।

[एफ. मं, 267/110/88-सो, एक्स, 8] एस. मी, यो, राज, प्रवर संखित

# NO. 18|90-CENTRAL EXCISES

G.S.R. 618(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 5A of the Central Excises and Salt Act. 1944 (1 of 1944) read with subsection (3) of section 3 of the Additional Duties of Excise (Goods of Special Importance) Act, 1957 (58 of 1957), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 123|81-Central Excises, dated the 2nd June, 1981 namely:—

In opening paragraph of the said notification, in condition (b),—

- (a) for the words "solely meant for export", the words "meant solely for export of for supply to a unit situated in another Free Trade Zone, Export Processing Zone of 100 per cent Export Oriented Undertaking for the manufacture of goods solely meant of export" shall be substituted;
- (b) the following proviso shall be added at the end, namely:—
- "Provided that where the goods are supplied to a unit located in another Free Trade Zone, Export Processing Zone or hundred per cent Export oriented under aking, the transmission of goods shall be under bond in such manner and subject to such conditions as may be specified by the Collector of Central Excise having jurisdiction over the factory of removal."

[F. No. 267[110:88-CX.8]

M. V. B. RAO, Under Secy.